

डॉ. रुखसाना महामूदमियाँ शेख

एम्.ए.पीएच्.डी.

अध्यक्षा, हिंदी विभाग,
दहिवडी कॉलेज, दहिवडी,
जि. सातारा (महाराष्ट्र)
सदस्या, हिंदी अध्ययन मंडल
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर ।

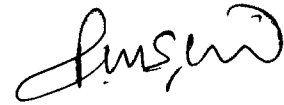
प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि कु. पूनम बाळासाहेब लंबे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल्. (हिंदी) उपाधि के लिए “अमृतलाल नागर के ‘सुहाग के नूपुर’ उपन्यास में चित्रित समाज जीवन तथा नारी जीवन” शीर्षक से प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलता पूर्वक पूरे परिश्रम के साथ संपन्न किया है । इसमें शोध छात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है । जो तथ्य लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं । शोध छात्रा के कार्य से मैं पूर्णतः संतुष्ट हूँ । यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय में एम्. फिल्. उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं की गई है। अतः इसे परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए ।

स्थान : सातारा

तिथि : 20 फरवरी, 2009.

शोध निर्देशिका



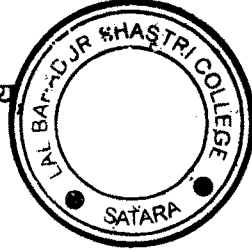
(डॉ. रुखसाना महामूदमियाँ शेख)

डॉ. रुखसाना महामूदमियाँ शेख
(अ. ए. पी. ए. डी.)
अध्यक्षा, हिंदी विभाग,
दहिवडी कॉलेज, दहिवडी,
जि. सातारा (महाराष्ट्र)

अनुशंसा

हम अनुशंसा करते हैं कि कु. पूनम बाळासाहेब लंबे का एम्. फिल्. (हिंदी) का लघु शोध-प्रबंध, “अमृतलाल नागर के ‘सुहाग के नूपुर’ उपन्यास में चित्रित समाज जीवन तथा नारी जीवन” परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

डॉ. बी. डी. सगरे
DR. B. D. SAGARE
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, M.D.
लाल बाबूदुर शास्त्री महाविद्यालय
सातारा. SATARA, SATARA



डॉ. सुहास साळुखे
प्राचार्य, प्राचार्य
लाल बाबूदुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा. सातारा.

स्थान : सातारा

तिथि : 20 फरवरी, 2009.

प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करती हूँ कि “अमृतलाल नागर के ‘सुहाग के नूपुर’ उपन्यास में चित्रित समाज जीवन तथा नारी जीवन” यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय में एम्. फिल. उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : सातारा

शोध छात्रा

तिथि : 20 फरवरी, 2009.



(कु. पूनम बाळासाहेब लंबे)